

## लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

### Press Note 02 May 2020

Webinar on E-Learning: Need of the hour for educational administrators

During this unprecedented time where in Covid -19, Pandemic has hit the world, the biggest challenge for the educational institutions is to keep our students occupied and busy in their ongoing educational courses continuously. It is possible only by exercising various innovative ways of online teaching/ learning so that the students do not suffer. and by means of conducting innovative course of actions or continuing such E- learning is one of the most sought after means of online teaching. However, the University of Lucknow has tried to take a lead and committed in organising online sessions and webinars in the interest and benefit of the students.

One such webinar was organised by E-Content Modalities Compliance Committee, University of Lucknow on May 02, 2020 on E-Learning: Need of the hour for educational administrators. It was presided over by Prof. Alok Kumar Rai, Vice Chancellor, University of Lucknow who inaugurated the webinar followed by a welcome note given by Prof. Poonam Tondon, Head of Department Physics, University of Lucknow. This was followed by the expertise and experience shared by different speakers.

The first speaker Prof. Sujit Kumar Dubey, Director, Institute of Management Studies, Banaras Hindu University, Faculty of Management Studies, Varanasi began the session with the introduction of e-learning concept. He highlighted the fact that student's motivation is a key factor in adaptation of technology in the field of education and also described the ways to motivate the students to adapt to e-learning. Dr. Kiran Lata Dangwal, Additional Dean Academic Cell, University of Lucknow then took the charge who laid lots of emphasis and elaborated on the concepts of e-learning as well as e-content. She explained the need for e-learning and as to how important it is in present scenario and even subsequently how we can reap benefit. She firmly advocated the integration of technology with education.

Later on Dr. Vinita Prakash, Principal IT College, Lucknow, explained the methodology of adopting and adapting to e-learning and teaching under existing circumstances. In her presentation, she made it very clear that the adaptation of technology is not only necessary for students but also for teachers. She focused on making teachers more technology-friendly along with students. We have received more than a thousand registrations from different universities including some international participants belonging to educational institutions.

The online webinar seminar on e-learning was concluded by Prof. Awadhesh Tripathi, Department of Commerce, University of Lucknow with the vote of thanks. The participants were highly satisfied at the end of the session and were convinced with the fact that E-Learning is a need and order of the day.

## लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

### प्रेस विज्ञप्ति

Webinar on E-Learning: Need of the hour for educational administrators

लखनऊ विश्वविद्यालय के ई-कंटेंट कमिटी द्वारा शनिवार मई 2, 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था- ई-लर्निंग: आज की आवश्यकता (e-learning: need of the hour). इस वेबिनार का शुभारम्भ लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अलोक कुमार राय द्वारा किया गया. अपने उद्घाटन भाषण में कुलपति महोदय ने मौजूदा समय में ई-लर्निंग की महत्ता को बताया और उसको शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणामों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बताया. भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने स्वागत संबोधन में ई-लर्निंग को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए एक मितव्ययी साधन बताया. वेबिनार के पहले व्याख्यान में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, मैनेजमेंट संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. सुजीत कुमार दुबे ने ई-लर्निंग प्रणाली को शिक्षकों तथा शिक्षार्थियों के लिए कम समय व कम श्रम में अनुकूल परिणाम देने वाला साधन बताया. दूसरे स्पीकर के तौर पर एडिशनल डीन, अकादमिक लखनऊ विश्वविद्यालय एवं शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका, डॉ. किरण लता डंगवाल ने ई-लर्निंग को स्मार्ट स्टडी का साधन बताते हुए शिक्षा के क्षेत्र में इसके योगदान की सार्थकता के विषय में अपने विचार प्रस्तुत किये. डॉ. विनीता प्रकाश, प्रिंसिपल, आईटी कॉलेज, लखनऊ, ने अपने व्याख्यान में ई-लर्निंग और टेक्नोलॉजी पर आधारित शिक्षण को समय के साथ आगे बढ़ने का माध्यम बताया. वेबिनार की समाप्ति पर प्रो. अवधेश त्रिपाठी, कॉमर्स विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में ई-लर्निंग को आज की ज़रूरत बताते हुए टेक्नोलॉजी के ज्ञान को अति आवश्यक बताया. इस वेबिनार में हजारों की संख्या में शिक्षकों और प्रशासकों ने पंजीकरण किया.

## लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

### Press Note

Dr. Archana Shukla, Coordinator Institute of Women's Studies organized a webinar today on 2nd may 2020 at 10:30 am. Topic of webinar was Garbh Sanskar: Celebrating Life. The webinar was inaugurated with an address by Prof. Alok Kumar Rai, Hon'ble Vice Chancellor, University of Lucknow, Lucknow.

Chief Guest for the webinar was Dr. Neelam Ohri, Gynecologist and Infertility Consultant, Medical Director New Life Hospital & Advance Fertility Center, Gynae Endoscopy and Embryology Training Center, Varanasi.

The webinar was attended by 100 participants from across India. The sole aim of this webinar was to sensitize not only women but students in general to the issues related to an important phase of human life that is pregnancy. The highlights are focus on diet, yoga and human psychology which were taken up by six eminent international and national speakers.

Dr. Amita Pandey, Professor MBBS MD, KGMU, Lucknow who specializes in infertility, high risk pregnancy spoke on the role of diet, exercise and sleep during pregnancy.

Dr. Mukul Bhalla, Dean of General Education, Professor of Psychology, American Intercontinental University (Phoenix, Arizona, U.S.A. talked about Garbh Sanskar :A Transnational Psychological Perspective.

Dr. Madhurima Pradhan, Professor, HOD, Department of Psychology, University of Lucknow spoke of Mindful Mothering: Role of Spirituality and positive thinking.

Dr. Durgesh Upadhyay, Faculty Department of Psychology, Kashi Vidyapeeth, Varanasi and certified Music Therapist and Vocalist, talked about his specialization, i.e. therapeutic implication of Music during Pregnancy.

Dr. Shweta Srivastava, Faculty AIBAS Amity University Lucknow, and Certified Clinical Hypnotherapist and Yoga Practitioner talked about Garbhadhan Sanskar: A Spiritual, Psychological, Scientific and therapeutic intervention.

Dr. Amarjeet from Yoga Departmental University of Lucknow: Importance of Yoga in pregnancy.

## लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

### प्रेस विज्ञप्ति

आज लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ वीमेन स्टडीज की कोऑर्डिनेटर अर्चना शुक्ला द्वारा गर्भ संस्कार पर एक वेबीनार आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक राय द्वारा किया गया और जिसमें देश विदेश से डॉक्टरों व विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये गए.

मुख्य अतिथि में डॉक्टर नीलम ओहरी वाराणसी से, डॉ मुकुल भल्ला (डीन, अमेरिकन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी USA), डॉ मधुरिमा प्रधान (विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग), डॉ दुर्गेश उपाध्याय (काशी विद्यापीठ), डॉ अमिता पांडे (केजीएमयू), डॉ श्वेता श्रीवास्तव (एमिटी विश्वविद्यालय) एवं डॉ अमरजीत (योग विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय) उपस्थित थे.

वेबीनार में विशेषज्ञ व डॉक्टरों द्वारा गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, मनस्थिति, एवं दैनिक दिनचर्या के विषय में योग, मंत्र, वेद, संगीत, परिवार, इत्यादि द्वारा किस प्रकार से खुशनुमा वातावरण माता व नवजात शिशु के लिए बनाया जा सकता है इस विषय पर कई व्याख्यान हुए. कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर मनुका खन्ना द्वारा किया गया.

अंत में डॉ अर्चना शुक्ला द्वारा बताया गया कि नए सत्र में विश्वविद्यालय गर्भ संस्कार पर नए कोर्स की शुरुआत कर सकता है.

## लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

### प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 01-मई- 2020 से माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के दिशा-निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संस्थान के शिक्षक डॉ अमरजीत यादव एवं उनकी टीम के सदस्य प्रशांत शर्मा व बॉबी के द्वारा बलरामपुर अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास के विदेशी छात्रों तथा निवेदिता महिला छात्रावास के अंतःवासी छात्र -छात्राओं को सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्णतया पालन करते हुए योगाभ्यास प्रारंभ कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यह महसूस किया गया कि इन छात्रावासों में रहने वाले छात्र एवं छात्राएं अपने परिवार से दूर हैं तथा कोरोना महामारी के कारण परिवेश में व्याप्त परीस्थितियों के कारण उनमें तनाव होना स्वाभाविक है। तनाव होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होता हैं, जिससे विद्यार्थियों की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

अतः विद्यार्थियों को इस प्रतिकूलता से बचाने एवं इनकी प्रतिरोधक क्षमता एवं स्वास्थ्य को विकसित करने के लिए इनका तनावमुक्त दिनचर्या बनाने हेतु योगाभ्यास सत्र का प्रारंभ किया गया है। योगाभ्यास के दौरान अन्तःवासी छात्र छात्राओं को योगिक सूक्ष्म अभ्यास ,आसन, प्राणायाम, ध्यान, आहार, तथा आदर्श जीवनचर्या का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।